सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025
वर्षः 02, अंकः 257, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड लखनऊ ले गई एटीएसः अकाउंटेंट तौसीफ निकला... » Pg02

» Pg12

रामजीलाल सुमन को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

पोस्टर देख भड़के लोग, पुलिस पर पथराव, लाठीचार्ज, 29 गिरफ्तार

आई लव मोहम्मद का बवाल पहुंचा महाराष्ट्र, भारी तनाव

बरेली में भी ताबड़तोड़ एक्शन, नफीस का ऑफिस और 74 दुकानें सील, सभी निर्माण एवं नजूल भूमि पर चलेगा बुलडोजर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र) यूपी के बरेली में शुरू हुआ आई लव मोहम्मद का विवाद अब महाराष्ट्र जा पहुंचा है। यहां अहिल्यानगर में सोमवार को सड़क पर 'आई लव मोहम्मद' लिखकर रंगोली बनाने के बाद मुस्लिम समुदाय भड़क उठा और लोगों ने सड़कों पर उतरकर इसके खिलाफ विरोध- प्रदर्शन किया। देखते ही देखते मुस्लिमों का विरोध-प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि इस प्रदर्शन के दौरान गुस्साए लोगों ने पुलिस दल पर पथराव किया, जिससे हालात बिगड़ गए और पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ गई। हालांकि पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहिल्यानगर जिले के कोटला गांव में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया है। इसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने बवाल बढ़ता देख 29 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 150 से ज्यादा लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के कोटला में विरोध प्रदर्शन तू शुरू हुआ, जब किसी ने सड़क पर आई लव मोहम्मद लिख दिया। इस पर मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने आपत्ति जताई और कोतवाली थाने में इस संबंध में एक शिकायत दर्ज कराई।

अधिकारी ने कहा, सड़क पर आई लव मोहम्मद लिखने को लेकर एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बावजूद, कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया, लेकिन कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थिति सामान्य करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घारगे ने बताया कि विरोध प्रदर्शन, सड़क पर अवरोध और पथराव के सिलसिले में 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घारगे ने कहा, हमने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल का इस्तेमाल किया। पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। स्थिति नियंत्रण में है। लोगों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए और न ही अफवाहें फैलानी चाहिए।

वहीं दूसरी ओर यूपी के बरेली में जुमे की नमाज के बाद हुए बवाल को लेकर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धर्मस्थल के पास स्थित आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नफीस के ऑफिस और 74 दुकानों को सील कर दिया है। ये सभी निर्माण नजूल की जमीन और नाले के ऊपर किए गए हैं, जिसके चलते ध्वस्तीकरण की तैयारी चल रही है। बुलडोजर ऐक्शन हो सकता है।

सिविल लाइंस में नावल्टी चौराहे के पास स्थित धर्मस्थल के पास आईएमसी प्रवक्ता डॉ. नफीस का ऑफिस और 74 दुकानें बनी हुई हैं। वक्फ संपत्ति बताकर डॉ. नफीस ही इन दुकानों से किराया वसूलता था, जो बवाल के मुख्य आरोपियों में भी शामिल है। निगम के मुताबिक यह सभी निर्माण नजूल की जमीन और नाले पर अतिक्रमण कर किए गए हैं। कई बार दुकानदारों को नोटिस भी दिए जा चुके हैं।

नदीम सहित 29 उपद्रवी जेल गए

बवाल को लेकर पांच थानों में दर्ज कराए गए दस मुकदमों में पुलिस ने सोमवार को आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष बिहारीपुर निवासी नदीम खां समेत 29 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें से 15 आरोपी बारादरी पुलिस व 14 आरोपी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किए थे।

दहला पाकिस्तान

एक महीने में दो बड़े ब्लास्ट, आपातकाल में छुट्टियां रद्द

क्वेटा में भीषण बम धमाका, दस लोगों की मौत, 32 घायल, अस्पतालों में इमरजेंसी

» बलूचिस्तान, एजेंसी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हालात एक बार फिर बेकाबू हो गए हैं। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में बड़ा बम धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। पूरे शहर की मेडिकल फैसिलिटी में आपतकाल घोषित कर दिया गया है। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग घायल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका बहुत जोरदार था। धमाका होते ही धुएं का गुबार आसमान में छा गया और वहां अफरा-तफरी मच गई। उनके मुताबिक इस धमाके में कई लोग घायल हुए हैं। धमाके की भीषणता को देखते हुए वहां के अस्पतालों में इरजेंसी घोषित कर दी गई है। सभी डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सों को ड्यूटी पर मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है और सभी की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। यह विस्फोट फ्रंटियर कोर मुख्यालय के आगे हुआ है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा में जरघून रोड के पास हुआ बम ब्लास्ट इतना भयानक था कि हर तरफ धुआं ही धुआं देखने को मिल रहा है। धमाके के बाद फायरिंग भी शुरू हो गई। ब्लास्ट की सूचना मिलते ही इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया है।

पाकिस्तानी न्यूज चैनल डॉन के अनुसार, क्वेटा में हुए जोरदार बम धमाके में 10 लोगों की जान चली गई। यह एक आत्मघाती हमला था, जिसमें सुसाइड बॉम्बर की भी मौत हो गई है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बम ब्लास्ट का मंजर साफ देखा जा सकता है। हमले में 32 लोग बुरी तरह से घायल हैं। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के अनुसार, हमले में घायल लोगों को क्वेटा के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है। क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब क्वेटा में ब्लास्ट की खबर सामने आ रही है। इससे पहले 2 सितंबर को भी पूर्व सीएम अख्तर मेंगल के काफिले पर हमला हुआ था। उनकी कार शाहवानी स्टेडियम की पार्किंग में खड़ी थी, तभी यहां जोरदार धमाका हुआ था। इस धमाके में सीएम मेंगल पूरी तरह सुरक्षित थे, लेकिन उनकी पार्टी के कई लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए थे।

लखनऊ ले गई एटीएस: अकाउंटेंट तौसीफ निकला संदिग्ध आतंकी

» मोबाइल पर रहस्यमयी व्यस्तता या आतंकी लिंक? एटीएस ने तौसीफ को दबोचा

मुजाहिदीन आर्मी से रिश्तों की जांच में पकड़ा गया कानपुर का युवक

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एटीएस की बड़ी कार्रवाई ने सुजातगंज इलाके को हिला दिया है। नई बस्ती निवासी मोहम्मद तौसीफ को रविवार रात उसके घर के पास से एटीएस टीम उठाकर ले गई। उस पर आरोप है कि वह 'मुजाहिदीन आर्मी' नामक संगठन बनाकर हिंसक घटनाओं की योजना बनाने में शामिल था।

सूत्रों के अनुसार, तौसीफ के साथ उसका एक दोस्त भी नमाज पढ़ने गया था।

दोनों को एक साथ हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन दोस्त के खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर उसे छोड़ दिया गया।

वहीं तौसीफ को एटीएस टीम सीधे लखनऊ मुख्यालय ले गई, जहां उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। परिवार को फोन कर केवल इतना बताया गया कि बेटा एटीएस की गिरफ्त में है।तौसीफ बीकॉम पास करने के बाद पीरोड की एक दुकान में अकाउंटेंट की नौकरी कर रहा था।

रोजाना का उसका रूटीन बहुत साधारण था। घर से काम पर जाता, वापस आता और रात में नमाज पढ़ने निकल जाता। परिवार और आसपास के लोग बताते हैं कि तौसीफ कम बोलने वाला और बेहद चुपचाप स्वभाव का युवक था।

सदमे में परिवार-बोला बेटा है निर्दोष

गिरफ्तारी के बाद परिवार सदमे में है। पिता इसरार अहमद, जो ई-रिक्शा चलाकर परिवार का खर्च उठाते हैं, ने बताया कि उनका बेटा न तो किसी गलत संगत में था और न ही किसी से ज्यादा मेलजोल रखता था। हमें विश्वास ही नहीं हो रहा कि तौसीफ ऐसा कुछ कर सकता है।

वह काम और मोबाइल फोन में ही व्यस्त रहता था, पिता ने कहा।तौसीफ की मां और बहनें भी बेटे की गिरफ्तारी से आहत हैं।

उनका कहना है कि घर का माहौल सामान्य था और तौसीफ का ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर बीतता था। हालांकि एटीएस को संदेह है कि मोबाइल फोन के जरिए ही वह संदिग्ध संपर्कों में था।सोमवार को गिरफ्तारी की खबर पूरे मोहल्ले में फैल गई। गली में देर रात तक लोगों की भीड़ जमा रही। कई पड़ोसियों ने बताया कि तौसीफ किसी से बातचीत तक नहीं करता था और सिर्फ अपने दोस्त के साथ ही देखा जाता था। लोग भी इस मामले को लेकर असमंजस में हैं।परिवार जब थाने पहुंचा और मुकदमे की जानकारी लेनी चाही तो पुलिस ने साफ किया कि थाने में तौसीफ के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं है। इससे परिवार और भी उलझन में पड़ गया है। फिलहाल, तौसीफ एटीएस की गिरफ्त में है और जांच एजेंसियां उसके संभावित नेटवर्क और गतिविधियों की पड़ताल में जुटी हैं।

नौबस्ता में बेटी गौरव सम्मान कार्यक्रम आयोजित

» बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत चल रहा मिशन

» मिशन शक्ति के पांचवें चरण में बेटियों के सशक्तिकरण पर जोर

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय अभियान और मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत सोमवार को कामदगिरि इंटर कॉलेज, नौबस्ता अर्रा में 卐बेटी गौरव सम्मान एवं शक्ति के पंच प्रवाह卐 विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हनुमंत विहार थाना और अर्रा चौकी की पुलिस टीम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के संस्थापक भगवत शुक्ला ने की। उन्होंने पुलिस टीम और संस्था के पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया और कहा कि 卐बेटियां हमारी आन, बान और शान हैं।卐 उन्होंने अपनी कविता की दो पंक्तियों के माध्यम से बेटियों की गरिमा और शक्ति का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता छत्रपाल सिंह, चौकी प्रभारी अर्रा ने मिशन शक्ति के पांचवें चरण शक्ति के पंच प्रवाह — स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण — पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बेटियों को निडर होकर पुलिस से संवाद करने और हर परिस्थिति में अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने छात्राओं से कहा,आप हमें मित्र पुलिस समझें। किसी भी संदेह या भय की स्थिति में बेहिचक बात करें।

साथ ही उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 181, 112, 102, 1930, 101 और 1076 को नोट कर सुरक्षित रखने की सलाह दी।

विशिष्ट वक्ता सुरेश आर्य ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि समाज में बेटियां अब केवल सम्मान की प्रतीक नहीं बल्कि परिवर्तन की प्रेरणा भी हैं।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिवाकर प्रजापति जी ने इस अवसर पर बेटियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए बेटों को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में पीयूष मिश्रा , श्रीमती संध्या चक्रवर्ती , श्रीमती रमा पांडे , सहित स्कूल स्टाफ व टीचर्स — श्रीमती अनीता शुक्ला जी (प्रधानाचार्या), राम सागर, अंकिता , वंदना शुक्ला और श्रीमती साधना जी — उपस्थित रहीं।

दोपहर के शो से पहले टॉकीज में लगी आग, लाखों के नुकसान की आशंका

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शुक्लागंज की सरस्वती टॉकीज में मंगलवार सुबह करीब 10 :45 बजे अचानक आग लग गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हैं।शुक्लागंज स्थित सरस्वती टॉकीज में मंगलवार सुबह करीब 10ः45 बजे अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। दोपहर के शो से डेढ़ घंटे पहले लगी इस आग की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां और गंगा घाट कोतवाली का पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का काम शुरू किया।घटना के समय टॉकीज के मालिक कानपुर निवासी गोपाल जायसवाल और मैनेजर ओम प्रकाश मिश्रा मौके पर मौजूद नहीं थे। ऐसी स्थितियों में टॉकीज की जिम्मेदारी राजन नामक युवक देखता है। आग लगने के कारण का पता फिलहाल नहीं चल पाया है। लाखों रुपये के नुकसान होने की आशंका जताई गई है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

‘शी बाय काशी’ शोरूम पर उमड़ी ग्राहकों की भारी भीड़

» संस्थापक श्रेयांश कपूर ने बताया कि त्योहारों पर महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए कई ब्रांड हैं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। त्योहारों के आगमन के साथ ही शहर के बाजारों में रौनक लौट आई है। इसी क्रम में काशी ज्वैलर्स के नए ब्रांड ‘शी बाय काशी’ के स्वरूप नगर स्थित शोरूम पर भी ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। महिलाएं और युवतियां नए संग्रह की ज्वैलरी खरीदने के लिए सुबह से ही पहुंचने लगीं। ‘शी बाय काशी’ ने हाल ही में अपने आकर्षक वास्तविक हीरे, सोने, हल्के वजन वाली और आकर्षक डिजाइन की ज्वैलरी का नया संग्रह प्रस्तुत किया है, जो त्योहारों और शादी-ब्याह के मौसम को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ग्राहकों की भारी मांग के कारण शोरूम में पूरे दिन खरीददारों की आवाजाही बनी रही।

ब्रांड के संस्थापक श्रेयांश कपूर ने बताया कि त्योहारों पर महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए संग्रह को आधुनिकता और परंपरा के सुंदर मिश्रण के रूप में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि ‘शी बाय काशी’ की ज्वैलरी न केवल हर मौके पर आकर्षक लगती है, बल्कि इसकी कीमतें भी बेहद किफायती हैं — जिसकी शुरुआत केवल रु. 4999 से होती है।सह संस्थापिका डॉ. देविका कपूर ने बताया कि त्योहारों पर महिलाओं का आत्मविश्वास और सुंदरता बढ़ाने के लिए यह ब्रांड समर्पित है। उनका कहना है कि ‘शी बाय काशी’ का उद्देश्य हर महिला को उसकी पसंद की असली हीरे की ज्वैलरी उपलब्ध कराना है, ताकि वह अपने हर त्योहार को और खास बना सके।काशी ज्वैलर्स के अध्यक्ष राजन कपूर, सहयोगी शैल कपूर एवं रिधि गाला ने ग्राहकों के अपार सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि त्योहारों पर ग्राहकों की यह प्रतिक्रिया ‘शी बाय काशी’ के प्रति उनके विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। ‘शी बाय काशी’ — त्योहारों की खुशियों में जोड़ रहा है असली हीरे की चमक और हर महिला की मुस्कान।

भारत और ऑस्ट्रेलिया मैच में बारिश बनी विलेन

मैच से पहले बारिश से बढ़ी चिंता, ग्रीन पार्क में पिच ढकी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।ग्रीन पार्क स्टेडियम में आज से शुरू होने जा रही भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच वनडे सीरीज़ के पहले मुकाबले पर मौसम ने संकट के बादल मंडरा दिए हैं। मंगलवार सुबह हुई तेज़ बारिश के चलते मैदान गीला हो गया, जिस वजह से पिच और आउटफील्ड को तुरंत कवर से ढक दिया गया।मौके पर मौजूद ग्राउंड स्टाफ ने बारिश थमने के बाद पानी निकालने और पिच को सुरक्षित रखने की कवायद शुरू कर दी। स्टेडियम प्रशासन ने बताया कि अगर दोपहर तक धूप निकल आती है तो मैच समय पर शुरू होने की संभावना बनी रहेगी। वहीं, मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में छिटपुट बारिश की संभावना जताई है।भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच यह सीरीज़ टीम इंडिया के उभरते खिलाड़ियों के लिए बड़ी परीक्षा मानी जा रही है। ग्रीन पार्क में होने वाले इस मुकाबले को देखने के लिए दर्शकों में खासा उत्साह है, लेकिन बारिश ने इंतज़ार और बढ़ा दिया है।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में 30 सितम्बर से शुरू हो रहे भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच वनडे मुकाबलों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर अखिल कुमार ने सोमवार को स्टेडियम परिसर एवं आसपास का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान दर्शकों के प्रवेश-निकास मार्ग, पार्किंग व्यवस्था और निषिद्ध वस्तुओं की रोकथाम से जुड़े निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि दर्शकों को किसी भी तरह की असुविधा न हो और सभी को सुरक्षित व सहज वातावरण मिले।उन्होंने कहा कि ग्रीनपार्क स्टेडियम के गौरवशाली इतिहास के अनुरूप क्रिकेट प्रेमियों को मैच का आनंद पूरी सुरक्षा और शांति के साथ मिल सके, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

संविलियन विद्यालय की इच्छा उप प्रभागीय न्यायाधीश, रिचा बनीं तहसीलदार

बेवा की दास्तां सुन मुखर हुई एक दिन की एसडीएम इच्छा

कहा- फोर्स तुरंत घर भेजो! मिशन शक्ति कार्यक्रम में फरियादी को दिलाया भरोसा, अधिकारियों ने दोनों छात्राओं को सरकारी गाड़ी से पहुंचाया घर

» रिजवान कुरैशी, स्वराज इण्डिया।

बिल्हौर (कानपुर)। एसडीएम दफ्तर सोमवार को एक अनोखे नज़ारे का गवाह बना। मिशन शक्ति फेस-5 के तहत जब संविलियन विद्यालय गोहलियापुर की छात्रा इच्छा को एक दिन का एसडीएम बिल्हौर और छात्रा रिचा को एक दिन की तहसीलदार बनाया गया,तो पूरा माहौल जोश और जज़्बे से भर गया।

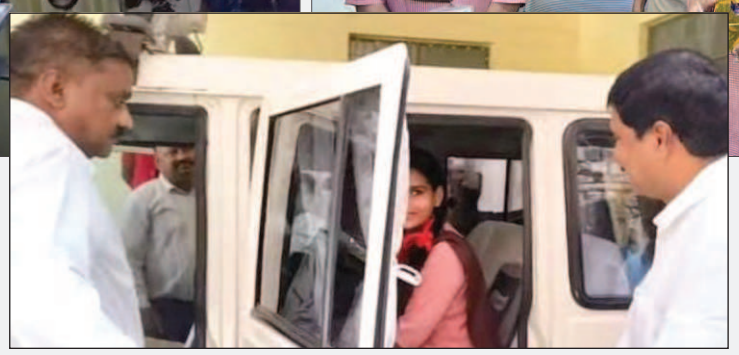

मासूम चेहरे वाली इच्छा जैसे ही अफसर की कुर्सी पर बैठीं, उनके तेवर बदल गए। उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुननी शुरू कीं। तभी चौबेपुर क्षेत्र की एक बेवा महिला अपने दुखड़े लेकर पहुंचीं। महिला की दर्द भरी दास्तां सुनकर इच्छा ने तुरंत सख्त आवाज़ में आदेश दिया कि चौबेपुर पुलिस फोर्स तुरंत इनके घर भेजो, इनकी समस्या का हल होना चाहिए। वहीं तहसीलदार की कुर्सी पर बैठीं छात्रा रिचा ने भी फरियादियों की समस्याओं पर गंभीरता से निर्णय लिए।

वास्तविक एसडीएम संजीव दीक्षित, एसडीएम न्यायिक, तहसीलदार अनुभव चंद्रा और नायब तहसीलदार सीपी राजपूत ने दोनों छात्राओं की कार्यशैली देखकर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बेटियों को आत्मविश्वास, नेतृत्व और प्रशासनिक सोच सिखाने का सबसे बेहतरीन माध्यम है। वहीं कोतवाल अशोक कुमार सरोज अपनी पुलिस टीम के साथ एसडीएम दफ्तर पहुँचे। अधिकारियों ने दोनों छात्राओं को गिफ्ट दिया। इस दौरान बीईओ रवि कुमार सिंह, टीचर आशा कटियार,समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में फरियादियों की समस्याएं सुनने के बाद एसडीएम ने सरकारी गाड़ी से इच्छा और रिचा को उनके घर भिजवाया।

स्कूल और बस्ती के पास टावर लगाने पर विवाद

सभासद ने लिखा पत्र, पालिका से कार्रवाई की मांग

» चेतावनी देते हुए कहा सुनवाई न हुई तो कोर्ट से स्टे लाऊंगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। नगर पालिका परिषद बिल्हौर के वार्ड नंबर 22 में मोबाइल टावर लगाए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। वार्ड सभासद मोहम्मद शोएब खान ने अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा को पत्र लिखकर अवैध रूप से स्थापित किए जा रहे टावर को तत्काल हटवाने की मांग की है। सभासद के अनुसार, गपफार की भूमि पर पहले से ही एक टावर स्थापित है। अब उसी स्थान पर बिना नगर पालिका से अनुमति और नियमों की अनदेखी करते हुए दूसरा टावर लगाया जा रहा है।

यह स्थान प्राइमरी पाठशाला और अस्पताल के बिल्कुल नजदीक है, जबकि नियमानुसार स्कूल और अस्पताल से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर ही टावर लगाया जा सकता है। पत्र में कहा गया है कि इससे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर रेडिएशन का दुष्प्रभाव पड़ने की आशंका है। इससे स्थानीय जनता में भारी रोष है। सभासद मोहम्मद शोएब खान ने साफ चेतावनी दी कि अगर इस मामले में सुनवाई नहीं हुई तो वे कोर्ट से स्टे लेकर आएंगे। उन्होंने पालिका अधिकारियों से अपील की है कि जनता के जीवन और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अवैध टावर को तत्काल हटवाया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

गणित ओलंपियाड में सरकारी स्कूलों के बच्चों ने बढ़ाया मान

150 प्रतिभागियों में से 10 छात्रों को मिला सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। सरकारी विद्यालयों के बच्चों में गणित के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बिल्हौर में ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए करीब 150 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सुबह से ही कार्यालय प्रांगण में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। तीन घंटे तक चली इस प्रतियोगिता में छात्रों ने न सिर्फ कठिन सवाल हल किए, बल्कि अपनी तार्किक सोच और गणितीय क्षमता से शिक्षकों और अधिकारियों को भी प्रभावित किया। किसी ने मिनटों में संख्यात्मक सवालों को सुलझाया तो किसी ने जटिल पजल को हल कर तालियां बटोरीं। प्रतियोगिता का माहौल परीक्षा की गंभीरता लिए हुए था, लेकिन बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास उसमें ऊर्जा भर रहा था।

परिणाम घोषित होने पर कंपोजिट विद्यालय पूरा ने प्रथम स्थान हासिल किया। कंपोजिट विद्यालय आलियापुर द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि कंपोजिट विद्यालय गोहलियापुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 छात्रों को प्रमाणपत्र, मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण खंड शिक्षाधिकारी रवि कुमार सिंह और एआरपी श्रीकांत सिंह ने किया। दोनों अधिकारियों ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि गणित ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताएं न सिर्फ बच्चों की प्रतिभा को पहचानने का अवसर देती हैं बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे संसाधनों की कमी के बावजूद मेहनत और लगन से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। इस दौरान धर्मेंद्र कटियार, शशांक द्विवेदी, अरविंद और नियाज ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया और कहा कि गणित को खेल की तरह अपनाने से यह कठिन नहीं, बल्कि रोचक विषय बन जाता है।

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक प्रतिरोध की भूमिका स्वीकारें

हाल ही में लेह में हिंसा का घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी तो है लेकिन अराजक होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन सत्ताधीशों को प्रतिरोध व बेचैनी के निहितार्थों को संवेदनशील ढंग से समझना चाहिए। लद्दाख में जनाक्रोश के कारण समझे जाने चाहिए। कहीं न कहीं लोगों को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद की आकांक्षाएं फलीभूत होती नजर नहीं आयी। उन्हें लगा कि उनकी भूमि व संसाधन बाहरी दबाव में आ सकते हैं। यही डर है जिसकी वजह से लोग संवैधानिक सुरक्षा की मांग छठी अनुसूची के रूप में करते रहे हैं।

पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लगातार चेताते भी रहे हैं कि अस्मिता की अनदेखी असंतोष को गहरा सकती है। इसको लेकर केंद्र से वांगचुक की अगुवाई में कई दौर की बातचीत भी हुई। कहीं न कहीं अगस्त 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किए वायदों को लेकर छह साल बाद लोगों का सब्र जवाब देने लगा। वांगचुक इस मुद्दे पर लंबे समय से आंदोलन करते रहे हैं। बीते साल मार्च में वह 21 दिनों के अनशन पर बैठे थे। दिल्ली पदयात्रा के दौरान भी उन्होंने अनशन किया था।

उनका आंदोलन अहिंसक ही रहा है। केंद्र से कई मुद्दों पर मतैक्य न होने के बावजूद वे बातचीत के हामी रहे हैं। लेकिन हालिया हिंसा के बाद उनकी गिरफ्तारी को लेकर देश में विपक्षी दलों व जन आंदोलनों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाये हैं। उनका मानना है कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं पर संवेदनशील ढंग से विचार हो।दरअसल, वांगचुक और लद्दाख के लोगों की चिंता रही है कि यदि शासन में उनकी भागीदारी न रही तो लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों का गलत तरीके से उपयोग हो सकता है। दरअसल, वांगचुक उस छठी अनुसूची के क्रियान्वयन की मांग करते रहे हैं, जिसमें स्वशासन व स्वायत्तता निहित है। पूर्वोत्तर के कई जनजातीय बहुल राज्यों को इसके अंतर्गत संरक्षण मिला हुआ है। सर्वविदित है कि वांगचुक रचनात्मक, सामाजिक अभियानों व पर्यावरण अभियानों से जुड़े रहे हैं। उनके कृत्रिम ग्लेशियर बनाने के प्रयासों की पूरी दुनिया में चर्चा हुई है। उनके कार्यों की लोकप्रियता का आलम ये रहा है कि उनके रचनात्मक विचारों व शिक्षा पद्धति पर आधारित फिल्म 'थ्री इडियट' देश में हिट रही। निश्चित ही सख्त धाराओं में उनकी गिरफ्तारी का देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि उनके आंदोलन व जनाक्रोश का लाभ सियासी रस्साकशी में लगे लोगों ने उठाया हो। वक्त की जरूरत है कि आंदोलन में शामिल संगठनों को बातचीत की मेज पर लाया जाए।

जिससे कारगिल की अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को संबोधित किया जा सके। लोकतंत्र में मांगों के समर्थन में जनआंदोलन उसकी खूबसूरती भी है। जिसको लेकर सत्ताधीशों को उदारता अपनानी चाहिए। हमारा स्वतंत्रता संग्राम ऐसे आंदोलनों से ही सशक्त हुआ था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि लद्दाख महज एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, पाक-चीन सीमा से सटा यह इलाका सामरिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भी संवदेनशील है। यह बात दिल्ली तक सुनी जानी चाहिए।

बिहार को विशेष महत्व के यक्ष प्रश्न

डा0 जोगिन्दर सिंह

बाढ़ ग्रस्त पंजाब के लिए अपेक्षित से बेहद कम राहत घोषणा के उलट चुनावी राज्य के लिए प्रधानमंत्री की दरियादिली नजर आई। दरअसल, बिहार चुनाव में महिलाओं को भाजपा अपना अहम मतदाता मान रही है। कुछ चुनावों में महिलाओं के लिए केंद्रीय योजनाओं का असर पॉजिटिव रहा भी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार की 75 लाख महिलाओं को भेजी 10-10 हज़ार रुपये की राशि उस दिन खाते में पहुंची जिस रोज पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा शासित केंद्र से 20,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की गई, जोकि बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जाने वाली मदद की भरपाई के लिए अत्यंत जरूरी है।

प्रधानमंत्री द्वारा बिहार की महिलाओं को दी एकमुश्त उदार राशि 7,500 करोड़ रुपये की है। इसकी तुलना 1,600 करोड़ रुपये वाले उस राहत पैकेज से करें जिसका वादा प्रधानमंत्री ने लगभग तीन हफ़्ते पहले पंजाब दौरे पर किया था। तब भाजपा सूत्रों का कहना था कि यह तो सिर्फ़ पहली राहत किश्त है, और ज्यादा राशि प्राप्त करने से पहले पंजाब को पहले अपनी ओर से भी काम कर दिखाना होगा, लेकिन बिहार पैकेज के बारे में ऐसे कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे हैं। दरअसल, कोई यह सवाल नहीं कर रहा कि अव्वल तो प्रधानमंत्री बिहार की असाधारण महिलाओं को इतनी बड़ी रकम भेज क्यों रहे हैं? कुछ प्रश्न हैं क्या बिहार में बाढ़ आई है जिससे लगभग चार लाख एकड़ में खड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई है? क्या कुछ सौ पशु, गायें और भैंसें, जो राज्य की डेयरी सहकारी समितियों और इस कृषि प्रधान राज्य के परिवारों की रीढ़ हैं, लापता हो गए हैं? क्या घर बह गए हैं, स्कूल बेहद क्षतिग्रस्त हो गए हैं, खेत कीचड़-मिट्टी से अट गए हैं, जिन्हें अब ट्रैक्टरों व जेसीबी से साफ़ किया जा रहा है? क्या अंतर्राष्ट्रीय सीमा, जो भारत को पाकिस्तान से जुदा करती है, उस पर बनी बाड़- बिहार में भी नेपाल से लगती एक सीमा है, लेकिन वह खुली है, यानी वहां कोई कांटेदार तार नहीं है – वह बह गई है।जाहिर है, प्रधानमंत्री की उदारता का कारण है – बिहार में नवंबर में होने वाले चुनाव। बिहार की 6.3 करोड़ महिलाओं पर उनके ध्यान का केंद्र बनने की वजह भी साफ़ है – हर परिवार से एक योग्य महिला अपनी पसंद का रोज़गार शुरू करने के लिए आवेदन कर सकती है, और अगर उसका आवेदन स्वीकृत हो जाता है, तो राशि 2 लाख रुपये तक हो सकती है। प्रधानमंत्री को उम्मीद है कि बिहार की महिलाएं, उनके लिए एक 'महिला' मतदाता वर्ग है, जो जाति-पांति से ऊपर उठकर, भाजपा को दिल खोलकर वोट देगा, ठीक वैसे ही जैसा कि देश के बाकी हिस्सों में होने लगा है।ज़ाहिर है, बिहार के बारे में कुछ तो ख़ास है। वैसे भी कहावत है : 'समझदार को इशारा काफी है'। हालांकि पंजाब में भाजपा बाढ़ प्रभावितों की मदद करने में वाकई काफी प्रयास कर रही है –राज्य भर के डेरी सहकारी क्षेत्र के अलावा, ख़ासकर पाकिस्तान की सीमा से लगे छह ज़िलों में गुम हुए दुधारू पशुओं की एवज में नए सिरे से ऋण दिलवाने में सहायता करने में – पार्टी यह भी जानती है कि केंद्र के ख़िलाफ़ पंजाबियों की बढ़ती नाराज़गी दूर करने को अभी बहुत कुछ करना होगा।कई मायनों में, यह पंजाब के लिए निर्णायक क्षण है। अगर आप छोटे या बड़े स्तर की मदद कर रहे हैं, तो आपकी गिनती होगी। अगर आप नहीं करेंगे, तो जाहिर है नज़रअंदाज रहेंगे। इसीलिए कांग्रेस को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। बाढ़ से पहले, सड़कों पर सामान्य नागरिक आपको बताता था कैसे वह सत्तारूढ़ 'आप' से तंग आ चुका है और 2027 के चुनावों में उसे सबक सिखाएगा, ठीक वैसे ही जैसे उसने 2022 में कांग्रेस को पाठ पढ़ाया और आम आदमी पार्टी के 92 विधायकों को जिताकर भारी-भरकम बहुमत दिया। कोई हैरानी नहीं कि अंदरूनी लड़ाई में उलझे कांग्रेसी आपस में भिड़ जाते – राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं। लेकिन, बाढ़ के बाद की कहानी एकदम अलग है।

बदलाव की जरूरत :बचत उत्सव मनाने की तार्किकता

जीएसटी दरों में बदलाव

पुरूषोत्तम दास

देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा।केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा।

जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा।कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं। 12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं।बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए। पहली बात समझ लीजिए कि इन 375 वस्तुओं को 54 वस्तुओं के वर्ग में बांध दिया गया है। यहां घटी हुई कीमतें दिखाई जाएंगी। सरकार का हुक्म है कि हर बेची जाने वाली कीमत पर पुरानी कीमत और अब घटी हुई नई कीमत की स्लिप लगाई जाए। यह सावधानी इसलिए क्योंकि

जिन दुकानदारों के पास पुरानी एमआरपी का सामान स्टॉक में है, उनकी स्लिप भी वही कीमत दिखाएगी। इसलिए अब घटी हुई कीमतों का स्टिकर लगाना जरूरी है। आदेश है कि पुराना स्टॉक होने के बहाने आप घटी कीमत देने से बच नहीं सकते। 22 सितंबर के बाद बिक्री योग्य हर सामान नई घटी कीमतों पर ही बेचा जाएगा। चौकसी रखने वाले अधिकारी देखेंगे कि इन आदेशों का पालन हो रहा है या नहीं। बिल बनाएंगे तो आपको साफ दिखेगा कि कीमत कटौती का पूरा लाभ आपको मिला है या नहीं, क्योंकि इस बिल पर नई दरों के आधार पर टैक्स घटा है या नहीं, इसकी जांच हो जाएगी।अब उम्मीद तो यही है कि कीमतें घटने के कारण सस्ती हुई इन वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। महंगाई घटेगी। इससे प्रोत्साहित होकर निवेशक उत्पादन बढ़ाएंगे और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे ही यह कानून लागू हुआ तो शेयर मंडियों की पहली प्रतिक्रिया सूचकांक के गिरने की थी। कारण यही है कि मांग तो बाद में बढ़ेगी लेकिन फिलहाल तो कीमतें कम होने से घाटा बढ़ गया। सरकार ने पुरानी एमआरपी पर खरीदी वस्तुओं की क्षतिपूर्ति करने का जो वादा किया है, उसका भुगतान भी दफ्तरी कार्रवाई के बाद आने वाले दिनों में होगा।वैसे जीएसटी की इस कटौती के बाद सोना, चांदी, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, स्मार्टफोन, लैपटॉप की कीमतों पर असर नहीं होगा। कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिन पर या तो पहले ही टैक्स कम है या उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। अब यदि दुकानदार पुरानी एमआरपी पर सामान बेचता है तो सरकार ने उसके विरुद्ध शिकायत करने के लिए टोलफ्री नंबर दे दिया है। लेकिन आम राय यह है कि मंडियों को नए कानून से समायोजित होने में देर लगती है। कभी इस इंतजार में नौकरशाही ढीली पड़ जाती है और कंपनियां इस घटी हुई दरों को समायोजित कर लेती हैं।

बहरहाल, यदि जीएसटी घटने का असर स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने के रूप में होता है तो यह शुभ है। इस प्रकार की कर कटौती से लाया गया सस्ता युग दीर्घकालीन नहीं रहता। अत- जरूरी है कि जो भी सुधार लागू किया जाए, उसके सभी भागों के संतुलन की ओर ध्यान देना भी सही आर्थिक नीति है। सस्ता युग लाना है तो केवल कर घटाने से काम नहीं होगा, उत्पादन लागत का संतुलन भी जरूरी है, जो उत्पादकता के उपकरणों की लागत को घटाने से होगा। वह लागत तभी घट सकती है, अगर डिजिटल युग, रोबोटिक युग और कृत्रिम मेधा के उपकरणों का इसके लिए इस्तेमाल किया जाए। शायद अंतर्राष्ट्रीयकरण के इस युग में पूरी तरह स्वदेशीकरण पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, लेकिन देश आत्मनिर्भर तो हो ही सकता है। एक आत्मनिर्भर देश में जहां कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है, बेकारों को नया रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है, तो फिर बेशक कर कटौती के इस उत्सव का अर्थ सार्थक हो जाता है।केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था।

33 महीने बाद रिजवान सोलंकी रिहा

बच्चों के माथे चूमकर छलके आंसू, कहा- अब एक नई जिंदगी की शुरूआत करनी है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। इरफान सोलंकी का भाई रिजवान सोलंकी कानपुर जेल से 8.15 बजे पर रिहा हो गया। रिजवान ने कहा कि जेल से जाली के पीछे से बच्चों और मां खुर्शीदा से मिलता था अब मां घर में सिर पर हाथ रखेगी।

33 महीनों में 1061 रातें जेल में कैसे काटी हैं इसका दर्द बयां नहीं किया जा सकता। तीन साल मां, पत्नी और बच्चों से दूर रहने का बहुत कष्ट है। मां सिर पर हाथ रखेगी उनका आशीर्वाद लूंगा।

यह बात सोमवार रात 8:15 बजे जिला कारागार से रिहा हुए सीसामऊ के पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी के भाई रिजवान सोलंकी ने कही। बाहर आकर बच्चे जिनिया और मुज्जू के माथे को चूमा तो आंखों से आंसू छलक पड़े। कहा, अब एक नई जिंदगी की शुरूआत करनी है।जेल के बाहर रिजवान की रिहाई की जानकारी होते ही सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भीड़ लग गई। रिहाई होती है, परिवार, दोस्त और कार्यकर्ताओं ने गले लगना शुरू कर दिया।

रिजवान जेल से सबसे पहले नमाज अता करने ईदगाह पहुंचे। इसके बाद अब्बू हाजी मुश्ताक सोलंकी की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ा। वहां से वह परिवार के लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ जाजमऊ डिफेंस कालोनी घर के लिए रवाना हो गए। इस मौके पर जेल के बाहर मां खुर्शीदा और पत्नी रोजी रिजवान का बेसब्री से इन्तजार करतीं दिखीं।

सीपी के आवास पर किया था आत्मसमर्पण

इरफान सोलंकी और रिजवान सोलंकी ने दो दिसंबर 2022 को तत्कालीन पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड के आवास पर आत्मसमर्पण किया था। सात जून 2024 को इरफान व रिजवान समेत अन्य आरोपियों को सात साल कैद और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

आगजनी का था मामला

जाजमऊ के डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा के घर आगजनी के मामले में सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान समेत अन्य आरोपियों को दो दिसंबर 2022 को जेल भेजा गया था।

जेल जाने के बाद इरफान व रिजवान के खिलाफ ग्वालटोली थाने से फर्जी आधार कार्ड से यात्रा, सरकारी काम में बाधा, चमनगंज से आचार संहिता का उल्लंघन, जाजमऊ से गैंगस्टर एक्ट, अनवरगंज में कोरोना अधिनियम उल्लंघन, कर्नलगंज में चुनाव प्रभावित करने समेत कई मुकदमे दर्ज किए गए थे।

कुलदीप यादव ने एशिया कप में दिखाया फिरकी का जादू, बने सर्वाधिक विकेट लेनेवाले, कानपुर में मना जश्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत के बाद कानपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। सड़कों पर तिरंगा लहराया, आतिशबाजी हुई और भारत माता की जय के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

कानपुर के स्पिनर कुलदीप यादव एशिया कप 2025 में भारत की जीत के हीरो बने। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में उलझाकर मैच को भारत की झोली में डाल दिया। कुलदीप ने फाइनल में 4 विकेट झटके, जिसमें साहिबजादा फरहान और साइम अय्यूब जैसे अहम बल्लेबाज शामिल रहे। उनकी गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान का मिडिल ऑर्डर पूरी तरह बिखर गया और टीम 146 रन पर सिमट गई। पूरे टूर्नामेंट में कुलदीप का दबदबा कायम रहा। उन्होंने फाइनल से पहले 13 विकेट लेकर एशिया कप 2025 के सर्वाधिक विकेट टेकर का गौरव हासिल किया। उनकी शानदार गेंदबाजी ने भारत को न केवल एशियाई चैंपियन बनाया, बल्कि भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 'कानपुर का सितारा' चमका दिया।कुलदीप की इस सफलता पर कानपुर में जश्न का माहौल रहा। जाजमऊ स्थित उनके घर के बाहर देर रात तक पटाखे फूटे और क्रिकेट प्रेमियों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। शहरवासियों ने गर्व से कहा कि कुलदीप की कामयाबी ने कानपुर का नाम रोशन कर दिया है।

प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज की जन्मस्थली पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रेमानंद महाराज की जन्मस्थली पहुंचे सतीश महाना ने ग्रामीणों से वार्ता की। गांव के सभी पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को महाराजपुर विधानसभा के अंतर्गत प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज की जन्मस्थली गांव अखरी में सुबह पहुंचकर औचक निरीक्षण के साथ गांव का पैदल भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान महाना ने गांव के सभी पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए।इसके उपरांत गांव में पेयजल की स्थिति जानने के लिए नलों पर जाकर स्वयं पानी पीकर ग्रामीणों से जानकारी ली कि पानी रोज इसी तरह आता है या नहीं। महाना ने संत श्री प्रेमानंद जी महाराज के घर पहुंचकर महाराज जी के बड़े भाई गणेश शंकर पांडेय एवं परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर कुशल क्षेम जाना।

महाना ने ग्रामीणों से वार्ता करते हुए बताया कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि पूज्य संत प्रेमानंद महाराज जी का जन्म मेरी विधानसभा के अंतर्गत अखरी गांव में हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से सुरेंद्र अवस्थी, विनय मिश्रा, रानू शुक्ला, विनय प्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह, लक्ष्मी कांत निषाद, सुमित पांडेय आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

जमीन घोटाले में कानूनगो आलोक दुबे पर एफआईआर दर्ज

» रिवर्ट होकर बने लेखपाल

» डीएम ने परिनिन्दा प्रविष्टि दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

FOLLOW UP

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। विवादित जमीन सौदों में मिलीभगत और अभिलेखीय हेरफेर के दोषी पाए गए कानूनगो (राजस्व निरीक्षक) आलोक दुबे पर शिकंजा कस गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें पदोन्नति-पूर्व मूल पद लेखपाल पर रिवर्ट करने के साथ सेवा पुस्तिका में परिनिन्दा प्रविष्टि दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही थाना कोतवाली में उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करा दी गई है।

डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जमीन का खेल करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। यह सख्त कार्रवाई एडीएम न्यायिक, एसडीएम सदर और एसीपी कोतवाली की तीन सदस्यीय समिति की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

क्या था पूरा मामला

ग्राम कला का पुरवा रामपुर भीमसेन निवासी संदीप सिंह ने 2 दिसंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि कोर्ट में मामला विचाराधीन रहने के बावजूद सिंहपुर कठार की गाटा संख्या 207 की जमीन का फर्जी दस्तावेजों से बैनामा करा दिया गया और बाद में इसे निजी कंपनी RNG इंफ्रा को बेच दिया गया।

इसी तरह, ग्राम रामपुर भीमसेन की गाटा संख्या 895 समेत अन्य गाटों पर भी मुकदमा विचाराधीन रहने के बावजूद 11 मार्च 2024 को आलोक दुबे ने मिलीभगत कर वरासत आदेश कराया और उसी दिन बैनामा भी करा लिया।

जांच में लगे हैं गंभीर आरोप !

17 फरवरी 2025 को आलोक दुबे को निलंबित किया गया था। 6 मार्च को चार बिंदुओं पर आरोपपत्र जारी हुआ और 21 अगस्त तक व्यक्तिगत सुनवाई की गई। इस दौरान 25 मार्च को थाना कोतवाली, कानपुर नगर में एफआईआर दर्ज कराई गई।जांच अधिकारी ने सभी आरोप—अनुचित बैनामा, मिलीभगत, दुरभिसंधि, बिना अनुमति भूमि क्रय-विक्रय तथा आचरण नियमों का उल्लंघन—सिद्ध माने। सहायक महानिरीक्षक निबंधन की रिपोर्ट में उनकी 41 संपत्तियों का खुलासा भी हुआ।डीएम ने आदेश में कहा कि एक ही दिन में वरासत और बैनामा कराना तथा अल्प अवधि में जमीन बेचना राजस्व अभिलेखों की शुचिता और जन-विश्वास को गहरा आघात पहुँचाने वाला है। इसी आधार पर आलोक दुबे को कानूनगो संवर्ग से हटाकर लेखपाल पद पर रिवर्ट किया गया है।

इस पूरे मामले में क्षेत्रीय लेखपाल अरुणा द्विवेदी की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई एसडीएम सदर स्तर पर विचाराधीन है।

करोड़पति लेखपाल: रिंग रोड के लिए अधिग्रहण से पहले लेखपाल ने 53 भूखंड खरीदे, चार गुणा मुआवजा लिया

कानपुर: कानूनगो से पदावनत कर फिर लेखपाल बनाए गए लेखपाल आलोक ठुबे का बड़ा खेल सामने आया है। उसने रिंग रोड निर्माण के प्रस्तावित रूट के किनारे अपने और परिवार के नाम 53 भूखंड खरीदे, जिनकी कीमत इस समय 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कई भूखंडों पर उसने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से चार गुणा मुआवजा लिया। प्रशासन की जांच में अब तक उसके 41 भूखंड खरीदे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 29 बैनामे उसी के नाम हैं। जोड़-जुगाड़ के बल पर वह 29 साल से सदर तहसील में जमा बैठा था। यह भी सामने आया है कि यह सौ करोड़ से ज्यादा की संपत्ति का मालिक है। मामले में एक महिला लेखपाल की भूमिका भी सामने आई है। उसे भी निलंबित किया जा चुका है।मामला खुला सिंहपुर कछार की एक जमीन का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद। अधिवक्ता संदीप सिंह ने फर्जी प्रपत्रों से चार बीघा जमीन बेचने की शिकायत दो दिसंबर 2024 को डीएम से की थी। उन्होंने कमेटी बनाकर जांच शुरू कराई तो तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे का नाम सामने आया। उसे 17 फरवरी 2025 को उसे निलंबित कर दिया गया। संदीप सिंह ने प्रशासन को 53 बैनामों की कुल 53 भू संपत्तियां खरीदीं, इनमें 29 बैनामे अपने नाम कराए, बाकी करीब 35 बीघा जमीन आलोक और उसके परिवार के सदस्यों के नाम दर्ज मिली है। उसने मिलीभगत कर कृषक कई भूखंडों को अकृषक बनाया और प्लाटिंग कर दी। इसमें वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मुआवजे के एक करोड़ रुपये से ज्यादा आलोक के खाते में गए। पत्नी, बेटे, रिश्तेदारों के साथ ही अन्य करीबियों के नाम पर जो जमीनें उसने खरीदी थी, उनकी जांच चल रही है। उसके पास कानपुर के साथ ही नोएडा में फ्लैट और प्लाट के साथ तीन लक्जरी कारें होने की जानकारी मिली है। डीएम ने बताया कि निलंबित किए जाने के बाद लेखपाल को सदर तहसील से हटाकर बिल्हौर तहसील से संबद्ध कर दिया गया है। जांच के लिए अन्य एजेंसियों की भी मदद ली जा रही हैआलोक दुबे वर्ष 1993 में लेखपाल के पद पर भर्ती भर्ती हुआ था। उसे पहली तैनाती इटावा में मिली। वर्ष 1995 में उसका स्थानांतरण कानपुर हो गया। उसे सदर तहसील में तैनाती मिली। वर्ष 2015 में उसे सचेंडी क्षेत्र की जिम्मेदारी मिली और यहां 2022 तक तैनात रहा। वर्ष 2023 में उसेपदोन्नत कर कानूनगो बना दिया गया था। आलोक ने 2019 से 2024 तक मंधना से सचेंडी के बीच पांच गांवों में 53 बैनामे अपने, पत्नी संगीता दुबे, बेटे शाश्वत, एश्वर्य और रिश्तेदारों के नाम कराए।

बारिश से रनियां नगर पंचायत की पोल खुली

» एक घंटे की तेज बरसात से गली-मोहल्ले जलमग्न, लोगों का आवागमन ठप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलवार दोपहर हुई जोरदार बारिश ने रनियां नगर पंचायत की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। एक घंटे से अधिक चली मूसलाधार बारिश के बाद कस्बे की सड़कें और मोहल्ले तालाब में तब्दील हो गए। लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।किशरवल रोड, अंबेडकर नगर, शिवाजी नगर, केशव नगर, शिवपुरी, सुभाष नगर वार्ड सहित मंटोरा और मयूर ओवरब्रिज के पास की सर्विस रोड पूरी तरह जलमग्न हो गईं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अरबों की लागत से बने नेशनल हाईवे पर भी पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा।स्थानीय निवासियों ने नगर पंचायत रनियां की लापरवाही को जलभराव की बड़ी वजह बताया। दीपक शर्मा, जय नारायण, अजय पाल, देवांश कर पाल, संदीप कुमार, शीलू, अनिल, आशीष कुमार और संजय सहित कई लोगों ने बताया कि कस्बे में नालियां-नाले पूरी तरह चोक पड़े हैं। सफाईकर्मी महीनों से नहीं दिखते और शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं होती। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जाती, तो कस्बे को इस दुश्वारी का सामना नहीं करना पड़ता।

छह घंटे अंधेरे में डूबा रनियां, बिजली विभाग की मनमानी पर गुस्से में लोग

» बिना आदेश टाउन की बिजली काटकर नारीखेत फीडर से जोड़ने की कोशिश

» स्थानीयों के विरोध और मंत्री के दखल पर बहाल हुई आपूर्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। औद्योगिक क्षेत्र रनियां में लगातार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज से जूझ रहे उद्यमियों की शिकायतों का हल निकालने के बजाय बिजली विभाग अधिकारियों ने रनियां टाउन फीडर के साथ ही छेड़छाड़ शुरू कर दी। सोमवार को अधिकारियों ने बिना किसी सरकारी आदेश के रनियां टाउन की आपूर्ति काटकर उसे नारीखेत बिजली घर से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी।

इस दौरान छह घंटे तक कस्बे में बिजली आपूर्ति ठप रही।स्थानीय लोगों को जैसे ही मामले की भनक लगी तो उन्होंने इसका विरोध किया और सीधे उच्चाधिकारियों को सूचना दी। आनन-फानन में अधिकारियों ने पुराने कनेक्शन से आपूर्ति बहाल कर दी। अधिशासी अभियंता इसे अस्थाई समाधान बता रहे थे, जबकि अधीक्षण अभियंता सुमित व्यास ने साफ किया कि इस तरह की कोई अनुमति ही नहीं है। पूर्व विधायक की पहल से बना था अलग फीडर

रनियां बिजली घर चिराना रोड पर स्थित है। स्थापना के बाद से यहां से ही कस्बे की आपूर्ति होती आ रही है। एक दशक पहले करीब सौ गांवों की आपूर्ति इसी बिजली घर से जुड़ी होने के कारण रनियां टाउन में बिजली संकट आम था। लगातार लोकल फॉल्ट और शेड्यूल से बाहर कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया था।समस्या को देखते हुए पूर्व सदर विधायक दिवंगत रामस्वरूप सिंह गौर ने 2016 में अपनी निधि से 23 लाख रुपये का प्रस्ताव पास कराकर टाउन का अलग फीडर बनवाया था। इसके बाद से कस्बे में निर्बाध बिजली आपूर्ति होने लगी। लेकिन अब विभागीय अधिकारियों की मनमानी से फिर कस्बे की सप्लाई पर खतरा मंडराने लगा।

बीएनडी प्राचार्य के खिलाफ रिपोर्ट की अर्जी खारिज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। बीएनडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.विवेक द्विवेदी व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए दाखिल अर्जी को सीजेएम सूरज मिश्रा ने खारिज कर दिया है। कॉलेज में अस्थाई कम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर काम करने वाले शशांक शुक्ला ने कोर्ट में अर्जी देकर कहा था कि वह वर्ष 2007 से कॉलेज में कार्यरत था।

डॉ. विवेक ने वर्ष 2013 में स्थाई नौकरी के लिए उनसे तीन लाख रुपये जमा करा लिए। 26 नवंबर 2024 को डॉ.विवेक ने अपने ऑफिस बुलाकर अतिरिक्त 12 लाख रुपये मांगे।महाविद्यालय में कैट लॉगर पद के लिए 25 लाख रुपये की मांग की। इनकार करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी दी।

जेब में रखे रुपये भी लूट लिए। शशांक ने मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में भी शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। वहीं पुलिस रिपोर्ट व विपक्षियों की आख्या में बताया गया कि शशांक कैट लॉगर पद पर नियुक्ति की योग्यता नहीं रखता था। अस्थाई नौकरी के दौरान उसने फर्जी रसीदें छपवाकर छात्रों से उगाही की थी।

फर्जीवाड़े में उसके खिलाफ कैंट थाने में रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। सभी पक्षों को सुनने और रिपोर्ट देखने के बाद कोर्ट ने पाया कि मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित है जिसकी सुनवाई का क्षेत्राधिकार उन्हें नहीं है। इस आधार पर शशांक की अर्जी खारिज कर दी।

पटरी टूटी तो डूब गई मेहनत, 300 बीघे धान जलमग्न

» मटियामऊ के सामने घाटमपुर रजबहा टूटा, गांवों में भरा पानी

» किसानों में हड़कंप, सिंचाई विभाग ने हेड से कराया पानी बंद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। रनियां क्षेत्र से गुजरने वाले घाटमपुर रजबहा में रविवार रात अचानक मटियामऊ गांव के सामने पटरी कट जाने से भारी जलभराव हो गया। देखते ही देखते रजबहा का पानी खेतों में घुस गया और करीब 300 बीघे धान की खड़ी फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई। पकी फसल पर पानी भर जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। वहीं, गांव की गलियों और रास्तों में भी पानी भर जाने से आमजन का आवागमन प्रभावित हो गया है।

ग्राम पंचायत मटियामऊ में बिलवाहार, गौरन बिलई और रामदीन पुरवा समेत आसपास के कई गांव इस जलभराव से प्रभावित हो गए हैं।

किसानों ने बताया कि धान की फसल कटाई के मुहाने पर थी। पानी ज्यादा देर तक खड़ा रहा तो फसल गिर जाएगी और पूरा सीजन की मेहनत बेकार हो जाएगी। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है। जून महीने में भी पटरी टूटी थी, जिससे हरा चारा और सब्जियों की फसलें बर्बाद हो गई थीं।

किसानों में नाराजगी, सिंचाई विभाग पर लापरवाही का आरोप

गौरन बिलई के मोनू सिंह और राजेंद्र सिंह के साथ बिलवाहार के दीपू यादव व मोनू सविता ने कहा कि रजबहा की पटरी कई दिनों से कमजोर थी, लेकिन सिंचाई विभाग ने मरम्मत की सुध नहीं ली। यदि समय रहते ध्यान दिया जाता तो आज यह स्थिति न होती। किसानों का कहना है कि विभाग हर बार घटना के बाद कार्रवाई करता है, लेकिन स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं देता।

ग्राम प्रधान पंकज कमल ने बताया कि लगभग तीन सौ बीघे धान की फसल पानी में डूबी है। धान इस समय पकने की अवस्था में है, और अधिक समय तक जलभराव रहने पर फसल गिर जाएगी जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। प्रधान ने मांग की है कि सिंचाई विभाग तुरंत पटरी की मरम्मत कराए और किसानों को राहत प्रदान करे।सूचना पर सिंचाई विभाग ने हेड से पानी बंद कराया। इस संबंध में जेई गोविंद कुमार ने बताया कि पटरी कटने की जानकारी मिलते ही सीचपाल को मौके पर भेजा गया है। जल्द ही खांदी की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। विभाग का दावा है कि जलभराव नियंत्रित किया जा रहा है और जल्द ही फसल को नुकसान से बचाने के प्रयास किए जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सांप के काटने से किसान की मौत, एंबुलेंस चालक पर लापरवाही का आरोप

» प्राथमिक उपचार के बाद रेफर, लेकिन रास्ते में तोड़ा दम

» एंबुलेंस चालक पर धीमी रफ्तार और इलाज में लापरवाही का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मेघजाल गांव में सोमवार शाम धान की सिंचाई के लिए खेत जा रहे 45 वर्षीय किसान भोला पुत्र नंदकिशोर को सांप ने काट लिया। परिजनों के मुताबिक घर लौटकर किसान ने घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले जाया गया। यहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया। मगर रास्ते में ही किसान ने दम तोड़ दिया।मृतक किसान के स्वजन का आरोप है कि एंबुलेंस चालक बेहद धीमी रफ्तार से गाड़ी चला रहा था और रास्ते में किसी भी तरह का अतिरिक्त उपचार मरीज को नहीं दिया गया। उनका कहना है कि यदि समय रहते इलाज मिलता तो शायद जान बच सकती थी। इस घटना के बाद ग्रामीणों में गुस्सा है। उपजिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही लेखपाल को मौके पर भेजा गया है। साथ ही पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से नियमानुसार आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

चोरों की दहशत, भाजपा नेता और प्रधान के घर बने निशाना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।रसूलाबाद थाना क्षेत्र के भवनपुर गांव में बीती रात बेखौफ चोरों ने भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सौरभ सिंह और ग्राम प्रधान प्रियंका देवी के घर पर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। चोर करीब डेढ़ किलो चांदी के आभूषण, लगभग 100 ग्राम सोने के जेवर और नगद रकम लेकर फरार हो गए। इस दौरान चोरों ने तिजोरी और बक्सों के ताले तोड़कर पुलिस को सीधी चुनौती दी।

» बंद कमरों के ताले तोड़कर चोरों ने उड़ाए नकदी और जेवरात

» आनंद की शादी से पहले उड़े डेढ़ लाख और सोने के आभूषण

चोरों ने सौरभ सिंह के चचेरे भाई आनंद के कमरे को भी निशाना बनाया, जहाँ से करीब डेढ़ लाख रुपये नकद और 150 ग्राम सोने के आभूषण चोरी हो गए। उल्लेखनीय है कि आनंद की शादी दो महीने बाद होने वाली थी और घर में तैयारियां चल रही थीं।पीड़ित परिवार में एक जिला पंचायत सदस्य और एक ग्राम प्रधान भी शामिल हैं, इसके बावजूद चोरी की घटना ने लोगों में दहशत फैला दी है। रसूलाबाद क्षेत्र में हाल के दिनों में लगातार चोरी की वारदातों ने पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ितों ने पुलिस से जल्द घटना का खुलासा कर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी रसूलाबाद ने कहा कि डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच की है घर से एक तमंचा गायब होने की बात पता चली थी लेकिन वह घर के अंदर ही पाया गया है जल्द ही कठोर कार्रवाई की जाएगी

अकबरपुर में 'गोल्डन बर्थ-डे एंड गिफ्ट इम्पोरियम' शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। त्योहारों की रौनक के बीच अकबरपुर को एक नया तोहफा मिला है। माती रोड स्थित वृन्दावन गार्डन में 'गोल्डन बर्थ-डे एंड गिफ्ट इम्पोरियम' का भव्य शुभारम्भ सोमवार, 29 सितम्बर को हुआ।

नवरात्रि और दीपावली जैसे पावन अवसरों पर शुरू हुआ यह प्रतिष्ठान शादी-विवाह, जन्मदिन और अन्य पार्टियों की खास जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यहां आईस्क्रीम व बर्थ-डे केक बुकिंग की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने नए इम्पोरियम के उद्घाटन को उत्सव जैसा माहौल बताते हुए खुशी जताई।

संचालक गोल्डन द्विवेदी ने कहा कि उद्देश्य ग्राहकों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण गिफ्ट्स, बर्थ-डे और पार्टी से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गोल्डन बर्थ-डे एंड गिफ्ट इम्पोरियम के सहयोगी प्रतिष्ठान अमूल एजेंसी व अमूल पार्लर शुभ ट्रेडर्स भी इसी स्थान पर संचालित हैं, जिससे ग्राहकों को विविध उत्पाद एक ही छत के नीचे मिल सकेंगे।

त्योहारी सीजन में इस शुभारम्भ को स्थानीय व्यापार जगत ने सकारात्मक संकेत माना है।

इस मौके पर गौरियापुर आश्रम के महंत देव नारायण जी ने फीता काट कर शुभारंभ किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार हनुमान गुप्ता, हरिशंकर श्रीवास्तव, बॉम्बे हॉस्पिटल के संचालक डॉ सुरेश यादव, योगेंद्र यादव, आलोक तिवारी, अरविंद शुक्ला सहित अन्य लोग रहे।

तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद नई सियासी जंग की शुरुआत !

सांप्रदायिक छवि से निकलकर राजनीतिक छवि मजबूत करने की कोशिश

» मुख्यधारा की राजनीति में सक्रिय भूमिका की तैयारी

» बरेली से उठी नई हलचल, सियासी गलियारों में बढ़ी चर्चाएं

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली/लखनऊ।शुक्रवार को बरेली में हुए बवाल के बाद गिरफ्तार किए गए मौलाना तौकीर रजा खां एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार मामला केवल कानून-व्यवस्था या धार्मिक उकसावे का नहीं है, बल्कि उनकी मुख्यधारा की राजनीति में संभावित वापसी को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पुलिस कार्रवाई के बाद जहां तौकीर रजा के समर्थक खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं, वहीं उनके करीबी अब उन्हें एक बड़े सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन के केंद्र में लाने की कोशिश में जुट गए हैं।मौलाना तौकीर रजा लंबे समय से अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख चेहरों में शुमार रहे हैं। लेकिन उनके कई विवादित बयानों और विरोधी रुखों ने उन्हें अक्सर कट्टरपंथ की छवि में सीमित कर दिया। अब सूत्रों के मुताबिक, वे खुद को इस छवि से अलग दिखाने और मुख्यधारा की राजनीति में शामिल होने के प्रयास में हैं।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मौजूदा हालात में तौकीर रजा अपने प्रभाव को सिर्फ धार्मिक दायरे से बाहर निकालकर एक व्यापक सामाजिक नेतृत्व में बदलना चाहते हैं।

बीते दिनों हुई घटना के बाद उनकी गिरफ्तारी ने जहां प्रशासन की सख्ती का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक पंडित इसे एक नया मोड़ मान रहे हैं। उनका मानना है कि तौकीर रजा इस प्रकरण को अपने समर्थन में इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे, जिससे उन्हें एक 'राजनीतिक पीड़ित' के रूप में देखा जा सके।कई विश्लेषकों का यह भी मानना है कि आने वाले दिनों में वे मुख्यधारा की किसी बड़ी पार्टी से हाथ मिला सकते हैं या अपना अलग राजनीतिक मंच फिर से सक्रिय कर सकते हैं।उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। ऐसे में तौकीर रजा जैसे चेहरों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सूत्र बताते हैं कि कुछ क्षेत्रीय दल पहले ही उनके संपर्क में हैं, क्योंकि बरेली, पीलीभीत, बदायूं और आसपास के इलाकों में उनका जनाधार अभी भी कायम है।वहीं सत्तापक्ष उनके बढ़ते प्रभाव को चुनौती के रूप में देख रहा है और उनकी गतिविधियों पर प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर करीबी नजर रखी जा रही है।

समर्थकों में जोश, विरोधियों में बढ़ी सतर्कता

तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद जहां उनके समर्थक नेता के साथ अन्याय' का नारा बुलंद कर रहे हैं, वहीं कई मुस्लिम संगठनों ने इसे राजनीतिक दमन करार दिया है। दूसरी ओर, विरोधियों का कहना है कि यह केवल कानून का पालन है, क्योंकि समाज में नफरत फैलाने वालों को बख्शा नहीं जा सकता।यदि तौकीर रजा वाकई मुख्यधारा की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो यह न केवल बरेली या पश्चिमी यूपी, बल्कि पूरे प्रदेश के सियासी समीकरणों को बदल सकता है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि तौकीर रजा जैसे नेता अगर धार्मिक मंच छोड़कर लोकतांत्रिक राजनीति की राह पर चलते हैं, तो वे एक नए मुस्लिम नेतृत्व की परिभाषा गढ़ सकते हैं।

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में, लेकिन सियासत गर्म

बरेली में माहौल अब सामान्य हो रहा है। प्रशासन ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया है, लेकिन सियासी पारा तेजी से चढ़ रहा है।

आगामी विधानसभा और निकाय चुनावों से पहले यह घटनाक्रम अल्पसंख्यक राजनीति की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

साप्ताहिक परेड के साथ पुलिस लाइन में देखे इंतजाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) रितेश कुमार सिंह ने मंगलवार को रिज़र्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इसके बाद उन्होंने परेड में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ कराई तथा टर्न आउट की जांच करते हुए अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई।एएसपी ने रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक क्षमता की समीक्षा करते हुए उन्हें और बेहतर प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस लाइन परिसर स्थित कैंटीन, क्लासरूम, बैरक, व्यायामशाला, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर एवं भोजनालय का भी निरीक्षण किया और भोजन की गुणवत्ता व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों व अभिलेखों को चेक कर उन्हें अद्यतन रखने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित

अयोध्या

(आस्था पर मिलावट का वार)

हनुमानगढ़ी के प्रसाद वाले लड्डू का सेंपल फेल

» प्रसाद के लड्डू निकले नकली – घी और बेसन मानक पर फेल

» तीन नमूनों में से दो फेल – श्रद्धा की मिठास में कड़वाहट

» संत की चेतावनी अनसुनी– विक्रेताओं ने परोसा मिलावटी प्रसाद

» मिलावटखोरों का पाप – स्वास्थ्य ही नहीं, धर्म से भी धोखा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की पावन आस्था को जब मिलावटखोरों ने निशाना बनाया, तो फूड सेफ्टी विभाग की जांच ने बड़ा सच उजागर कर दिया। हनुमानगढ़ी के पवित्र प्रसाद में मिलावट की पुष्टि हुई है। श्रद्धालुओं के लिए अर्पित किए जाने वाले बेसन के लड्डू और घी के नमूने शुद्धता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। जांच में लिए गए तीन में से दो नमूने फेल हो गए। यानी जो मिठास भक्त भगवान को चढ़ाकर आशीर्वाद के रूप में ग्रहण कर रहे थे, उसमें मिलावट की कड़वाहट छिपी हुई थी ।यह सिर्फ भोजन सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर कुठाराघात है। अयोध्या आने वाले 99न्न श्रद्धालु सबसे पहले हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन करते हैं, और प्रसाद ग्रहण करना धार्मिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। जब वही प्रसाद दूषित निकले तो सवाल सिर्फ क्वालिटी का नहीं, बल्कि भक्ति और विश्वास से खिलवाड़ का हो जाता है ।बजरंगबली को परंपरागत रूप से बेसन के लड्डू चढ़ाए जाते हैं। यही लड्डू आस्था और पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन अब यही परंपरा संदेह के घेरे में है।

हनुमानगढ़ी के संत संजय दास ने पहले ही विक्रेताओं और प्रसाद तैयार करने वालों को चेतावनी दी थी कि केवल शुद्ध घी और उच्च गुणवत्ता वाले बेसन का उपयोग करें लेकिन उनकी सलाह को गंभीरता से नहीं लिया गया।

मामला सिर्फ लड्डू तक सीमित नहीं है। अयोध्या धाम की एक दुकान से लिया गया पनीर का नमूना भी मानकों पर खरा नहीं उतरा। इससे यह साफ है कि शहर के खाद्य उत्पादों में मिलावट की जड़ें गहरी हैं।

रामनगरी में यह खुलासा एक बड़ा सवाल खड़ा करता है – क्या भगवान को अर्पित प्रसाद भी अब शुद्धता की गारंटी से वंचित रहेगा?

क्या भक्तों की आस्था और स्वास्थ्य दोनों के साथ यह सबसे बड़ा धोखा नहीं है? अयोध्या का नाम ही विश्वास और मर्यादा का प्रतीक है। लेकिन जब वहीं प्रसाद में मिलावट हो, तो यह सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि धार्मिक भावनाओं की भी खुली अवमानना है। अब देखना है कि प्रशासन इस मिलावटखोरी के महाघोटाले पर कैसी कार्रवाई करता है क्योंकि सवाल सिर्फ भोजन का नहीं, बल्कि रामनगरी की पवित्रता और आस्था की रक्षा का है।

(फर्जी बेचीनामा पर अमलदरामद का खेल उजागर...)

अयोध्या नगर निगम का काला सच पढ़िए

» बहादुरगंज वार्ड के भवन संख्या 4/11/32 का सनसनीखेज मामला

» लापरवाह महिला लिपिक के खिलाफ आखिर कब होगी कार्यवाही

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।नगर निगम अयोध्या पर एक बार फिर भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप लगे हैं। इस बार मामला बहादुरगंज वार्ड के भवन संख्या 4/11/32 का है, जहां पीड़ित राज कपूर गुप्ता का कहना है कि एक सादे कागज पर बने फर्जी बेचीनामा और याददाश्त के आधार पर मकान का अमलदरामद कर दिया गया।बता दे कि महापौर, नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त ने जांच के आदेश दिए, लेकिन पूरी पत्रावली लिपिक के बस्ते में दबा दी गई।

24 माह से तारीख पर तारीख का खेल जारी है, लेकिन पीड़ित को न्याय नहीं मिल रहा। नगर निगम खुद ही अपनी पत्रावलियां खोज नहीं पा रहा।बता दे कि विभागीय लिपिक कहना है कि पत्रावली उपलब्ध करवाने के लिए 2 जुलाई 2025 को संबंधित लिपिक अनुराधा गुप्ता को पत्र भेजा गया था जिसमे 2 दिन के अंदर फ़ाइल उपलब्ध करवाने के लिए आदेश दिया गया था। लेकिन आज तक फ़ाइल नही आई। उन्हें पुनः अनुस्मारक पत्र भेजा जा रहा है। फ़ाइल क्यों नही भेजी गई जब इस संबंध में लिपिक अनुराधा गुप्ता से बात की गई तो पहले तो वह इधर उधर टालमटोल करती रही कहने लगी कि एक साल पहले मैं आयी हूँ हमे कोई जानकारी नही है। याद दिलाने पर उन्होंने कहा कि हमे समझ मे नही आया कि इसमें क्या करना है। इसलिए कोई जबाब नही दिया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे लापरवाह कर्मचारी के खिलाफ नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यवाही क्यों नही करते।

स्वराज इंडिया की पड़ताल में खुला बड़ा खेल

नगर निगम 2022 के कागजों पर 2017 में अमलदरामद दर्ज कर चुका है। कर विभाग की सूचना नोटिस का अनुपालन तक नहीं किया गया। पटल प्रभारी को पत्रावली उपलब्ध कराने का नोटिस दिया गया, लेकिन महापौर और नगर आयुक्त तक का आदेश बेअसर रहा। पीड़ित राज कपूर गुप्ता का कहना है, मेरा मकान फर्जी बेचीनामा पर कब्जा दिखाकर अमलदरामद कर दिया गया। असल में नगर निगम का बड़ा गिरोह इसमें शामिल है। दो साल से मैं पत्रावली मांग रहा हूं, लेकिन नगर निगम यह भी साबित नहीं कर पा रहा कि पत्रावली बनी भी थी या नहीं। स्वराज इंडिया सवाल पूछता है क्या नगर निगम की फाइलों और आदेशों का इस्तेमाल गैंगस्टर स्टाइल में कब्जे दिलाने के लिए हो रहा है? जब महापौर और नगर आयुक्त के आदेश ही बेअसर हो जाएं, तो आम नागरिक किस दरवाजे पर न्याय मांगने जाए?

-क्या नगर निगम की आड़ में फर्जीवाड़े और कब्जे का सिंडिकेट चल रहा है?

नगर निगम अयोध्या का यह मामला सिर्फ एक भवन या पीड़ित तक सीमित नहीं है। यह इस बात का सबूत है कि फर्जी कागजों पर भी अमलदरामद कराना संभव है, अगर भीतर का तंत्र शामिल हो।

अब यह देखना होगा कि महापौर और नगर आयुक्त की चुप्पी टूटेगी या यह मामला भी फाइलों के जंगल में दबा दिया जाएगा।

(प्राधिकरण में भ्रष्टाचार, लीपापोती और मिलीभगत)

भ्रष्टाचार के नए अध्याय लिख रहे एडीए के अफसर!

» आखिर किसे बचाने में जुटे जिम्मेदार अधिकारी?

» महीनों से जांच का खेल, विवादित होटल का नक्शा अब तक नही हुआ निरस्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।रामनगरी में विकास का नाम लेकर अयोध्या विकास प्राधिकरण किस तरह भ्रष्टाचार की नई इबारत लिख रहा है, इसकी बानगी बाईपास पर बन रहे मंगलम होटल एंड रिसॉर्ट्स के निर्माण से साफ हो जाती है। फर्जी शपथ पत्र के आधार पर पास किया गया मानचित्र, न्यायालय के स्थगनादेश के बावजूद जारी निर्माण और महीनों से जांच का नाटक सब एक सवाल खड़ा करते हैं कि आखिर किस रसूखदार को बचाने के लिए प्राधिकरण जिम्मेदार अधिकारी कानून से खिलवाड़ कर रहे हैं?होटल मालिक ने न्यायालय में लंबित वाद और स्थगनादेश की जानकारी छुपाकर फर्जी शपथ पत्र दिया। इसी आधार पर विकास प्राधिकरण ने मानचित्र पास कर दिया। 2022 में आईजीआरएस पर अपलोड की गई फर्जी रिपोर्ट से यह खेल और गहराया। अब पत्रावली या तो गायब कर दी गई है या जानबूझकर दबा दी गई है, ताकि जांच ठंडी पड़ जाए ।न्यायालय के आदेशों की धज्जियाँ उड़ाते हुए प्राधिकरण ने न सिर्फ निर्माण पर रोक लगाने में लापरवाही की, बल्कि नक्शा निरस्त करने का कदम भी आज तक नहीं उठाया। महीनों से जांच चल रही है का बहाना बनाकर अधिकारियों ने पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

मुख्य सवाल

-आखिर किसके इशारे पर महीनों से जांच को लंबा खींचा जा रहा है?-फर्जी शपथ पत्र पर पास हुए मानचित्र पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं?

-भ्रष्टाचार की परतें खुलने से बचाने में कौन-कौन शामिल?

मामला साफ है अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारी भ्रष्टाचार, लीपापोती और मिलीभगत के नए अध्याय लिख रहे हैं। न्यायालय के आदेशों से लेकर फर्जी कागज तक सबका खेल केवल एक ही बात साबित करता है-कानून यहां पैसे और रसूख के आगे बौना साबित हो रहा है।

अभी तक हमे नही मिली जांच रिपोर्ट-सचिव

एडीए के सचिव हेम सिंह से बात करने पर उनका कहना है कि अभी तक जांच रिपोर्ट उन्हें नही मिली है मिलते ही आवश्यक कार्यवाही जो होगी कि जाएगी।

वीके मल्होत्रा को श्रद्धांजलि देने घर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

यूपी सीएम योगी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जताया शोक

» नई दिल्ली, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे। उनका जन्म 3 दिसंबर 1931 को लाहौर शहर में हुआ था। वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं। कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। पीएम मोदी ने उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ यह बताना पड़ रहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा जी का आज प्रातः आकस्मिक निधन हो गया है। वह 94वें वर्ष के थे।

वीके मल्होत्रा के निधन पर पीएम मोदी, सीएम रेखा से लेकर कई भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया।

हमारी पार्टी को मजबूत करने के लिए अथक परिश्रम किया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट लिखा कि जनसंघ और भाजपा के इतिहास में प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा जैसे दिग्गजों का विशेष स्थान है। उन्होंने दिल्ली में हमारी पार्टी को मजबूत करने के लिए अथक परिश्रम किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हम सभी कार्यकताओं के अभिभावक और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा जी का निधन अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है। जनसंघ के दौर से लेकर भाजपा की स्थापना तक उनका जीवन राष्ट्रनिष्ठा, संगठन कौशल और अनुशासन का जीता-जागता उदाहरण रहा। दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन की नींव को मजबूत किया और असंख्य कार्यकर्ताओं को सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया।

बहराइच में खूनी भेड़िए के हमले में दंपती की मौत

गुस्से में ग्रामीणों ने तोड़ दी एसडीओ की गाड़ी

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बहराइच। कैसरगंज रेंज के मंझारा तौकली गांव के बाहर सो रहे दंपति पर भेड़िये ने हमला कर दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हमले में तीन लोग घायल भी हुए हैं। सूचना पर पहुंचे ग्रामीण व परिवारजन शव को घर लेकर आए।

जानकारी पाकर वन विभाग की टीम के पहुंचने पर आक्रोशित ग्रामीण हमलावर हो गए। लाठी-डंडा लेकर वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों ने दौड़ा लिया। एसडीओ की गाड़ी को तोड़ दिया। गांव में वन विभाग की टीम को घुसने नहीं दिया जा रहा है। मंझारा तौकली गांव निवासी 75 वर्षीय खेदन अपनी पत्नी के साथ गांव के बाहर खेत की रखवाली करने के लिए रोज की तरह सोमवार की रात खाना खाने के बाद गए थे। मंगलवार की सुबह नौ बजे तक वह घर नहीं पहुंचे तो परिवारजन खेत गए तो देखा कि दोनों का शव पड़ा हुआ था।

भेड़िये दोनों के शरीर के ऊपरी हिस्से को खाकर भाग चुका था। वहीं दूसरी तरफ भेड़िये के हमले में मीना देवी, धनपतिया व सेबरी घायल भी हो गईं। घटना के ग्रामीणों में आक्रोश भड़क गया। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के एसडीओ राशिद जमील दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों ने लाठी-डंडा लेकर उन्हें दौड़ा लिया।

वन विभाग के अधिकारी व कर्मियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। एसडीओ राशिद जमील के गाड़ी को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

सपा के कई एमपी-एमएलए और समर्थकों की भीड़

सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में समाजवादी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। सपा नेता और उनके प्रतिनिधिमंडल के गिजौली गांव में जाने को लेकर मामला गरम हो गया है। एटा और इटावा के सांसद भी सुमन के आवास पर पहुंच गए, जिससे पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर समर्थकों को रोका है।

आगरा में संजय प्लेस स्थित एचआईजी फ्लैट निवासी सपा नेता रामजीलाल सुमन के घर के बाहर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद है। वह गिजौली गांव जाने वाले थे। इस सूचना पर उनके घर पर पुलिस पहुंच गई।

सपा नेता के आवास के रास्ते पर बैरिकेडिंग लगा दी गई है। इसकी जानकारी मिलते ही तमाम समर्थकों की भीड़ उनके

आवास पर जुटना शुरू हो गई। वहां पर एटा सांसद देवेश शाक्य, इटावा सांसद जितेंद्र दोहरे और जसराना विधायक सचिन यादव पहुंच गए हैं। इसके साथ ही समर्थकों की भीड़ भी है। गौरतलब है कि आगरा के खंदौली थाना के गिजौली गांव में 2 पक्षों के बीच विवाद की घटना के बाद मारपीट हुई। वारदात के बाद से तनाव की स्थिति बनी हुई है।

जेवर एयरपोर्ट नोएडा के सीईओ समेत यूपी के चार आईएएस आज होंगे रिटायर

तीन आईपीएस-पीसीएस अफसरों का भी अंतिम दिन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई आईएएस, आईपीएस और पीसीएस के काम का आज आखिरी दिन है। कई वर्ष तक विभिन्न विभागों में सेवा देने के बाद आज यह अधिकारी सेवानिवृत हो जाएंगे। इनमें 4 आईएएस, 3 आईपीएस और 2 पीसीएस शामिल हैं. इसके साथ ही आईपीएस सुधा सिंह ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है. उनके पति भी आईपीएस हैं।

उत्तर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी के लिए मंगलवार का दिन काफी अहम है. कई सीनियर अधिकारी आज रिटायर हो रहे हैं। इनमें आईएएस डॉ. सुधीर महादेव बोबडे इस समय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव हैं. उनकी सेवाकाल का आज आखिरी दिन है।

इसके अलावा जेवर एयरपोर्ट नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आईएएस राकेश कुमार सिंह भी आज सेवानिवृत हो रहे हैं।

सचिवालय प्रशासन के सचिव आईएएस बृजेश नारायण सिंह भी आज रिटायर हो जाएंगे. 15 दिन पहले तक वह उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के पद पर तैनात थे। रिटायरमेंट के 15 दिन पहले ही उनका ट्रांसफर सचिव सचिवालय प्रशासन के पद पर हो गया था। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रहते आईएएस बृजेश नारायण सिंह ने कई ऐसे काम किए जो विभाग को नई दिशा देने वाले साबित हो रहे हैं। इसकी पूरे विभाग में चर्चा भी है।

आईएएस अविनाश कृष्ण सिंह डीजे टेक्निकल एजुकेशन के पद पर हैं। वे भी आज रिटायर हो रहे हैं। आईपीएस अधिकारियों की बात की जाए तो पीएसी मुख्यालय में तैनात एसपी पंकज कुमार पांडेय, आईपीएस कमल प्रसाद यादव डीआईजी एसीओ, यूपी फॉरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट के संस्थापक निदेशक पद पर तैनात साल 1997 बैच के आईपीएस डॉ. जीके गोस्वामी का भी सेवाकाल आज समाप्त हो रहा है।